प्रश्न: आर्थिक विकास को मापने के लिए प्रति व्यक्ति आय की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। आर्थिक विकास एवं आर्थिक संवृद्धि में क्या अंतर है? (150 शब्द)

उत्तर:-

प्रति व्यक्ति आय से वस्तुतः किसी राष्ट्र की औसत आय प्राप्त की जाती है। इसका मान ज्ञात करने के लिए राष्ट्रीय आय में देश की कुल जनसंख्या से भाग दिया जाता है। प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता में हुई वृद्धि की परिचायक होती है।

अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक विकास को मापने के लिए प्रति व्यक्ति आय को आधार बनाया है। लेकिन आर्थिक गतिविधि एक जटिल प्रक्रिया है और इसे केवल प्रति व्यक्ति आय तक सीमित करना उचित नहीं है। आर्थिक विकास के दौरान बहुत से परिवर्तन होते हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि आर्थिक विकास को संपत्ति और आय के न्यायपूर्ण वितरण से सम्बद्ध किया जाये, तो प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि एक महत्वपूर्ण सूचक है। लेकिन केवल इस पर ही निर्भर रहना उपयुक्त नहीं है। जब तक राष्ट्रीय आय और संपत्ति का असमान वितरण कम नहीं हो तथा इसका न्यायपूर्ण वितरण नहीं होगा, तब तक प्रति व्यक्ति आय पर आर्थिक विकास निर्भर नहीं रहेगा। अगर सकल राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि होने से प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होगी, लेकिन आय एवं संपत्ति का असमान वितरण रहे, तो इसे आर्थिक विकास नहीं कहा जायेगा।

आर्थिक विकास वस्तुतः उत्पादकता में वृद्धि की संकल्पना है। यह एक दीर्घकालीन प्रक्रिया है जिसमें नई शक्तियों का जन्म होता है तथा प्रतिफल के रूप में उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ तकनीकी एवं संस्थागत परिवर्तन होता है, जिसके लिए संरचनात्मक परिवर्तन किया जाना अनिवार्य है।

आर्थिक संवृद्धि एक दीर्घकालीन प्रक्रिया है जिसमें उत्पादन में वृद्धि होता है, जिसके लिए संरचनात्मक परिवर्तन पहले से हो चुका होता है। यह आधारभूत संरचनाओं के सृजन में प्रत्यक्षतः सहायक नहीं है लेकिन इसके लिए संसाधनों को गत्यात्मक बनाने तथा उसके संरक्षण एवं संवर्द्धन की आवश्यकता होती है।

Good